

कक्षा : आठ गतिविधि

परिचय

पाठ्य पुस्तक	वसंत भाग-तीन
पाठ	कबीर की साखियाँ
शीर्षक	परिचर्चा (रेडियो-शो)
समय	दो कालाँश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	पाँच
कौशल	वाचन
आवश्यक सामग्री	कागज़, कलम, रंगीन कलम ।

चरण:-

1 शैक्षिक अधिगम

- विद्यार्थी किसी भी समूह के समक्ष अपनी बात को तर्कपूर्ण ढंग से रखने की कला को सीख पाएँगे ।
- उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा और दूसरों की बात को मद्देनज़र रखते हुए अपनी बात से उन्हें सहमत करने की कला में निपुण हो सकेंगे ।

2 अध्यापिका गतिविधि:-

- अध्यापिका विद्यार्थियों को परिचर्चा (रेडियो-शो) विधा से परिचित कराएंगी ।
- विद्यार्थियों को पाँच-पाँच के समूह में विभक्त करेंगी ।
- सभी समूहों को उस विषय पर चिंतन-मनन करने और उन्हें कलमबद्ध करने का समय देंगी।
- क्रियाविधि के निर्देश :-

1. परिचर्चा (रेडियो-शो) का विषय:-

कबीर की साखियाँ आज के युग में प्रासंगिक हैं ।

2. परिचर्चा का समय : पाँच से सात मिनट

3. परिचर्चा की विशिष्टताएँ- भाषा की शुद्धता, उदाहरणों का प्रयोग, तार्किकता, व्यवहारिकता, व्यंग्यात्मकता

4. यदि कोई शिक्षार्थी समूह के किसी तर्क से सहमत नहीं होगा तब वह पहले वाले शिक्षार्थी की परिचर्चा समाप्त होने पर उसकी बात का खण्डन करते हुए अपना तर्क प्रस्तुत करेगा ।

- अध्यापिका मौखिक परिचर्चा का मूल्यांकन करेंगी ।
- कक्षा में परिचर्चा प्रस्तुति के पश्चात् उसका लिखित साक्ष्य अध्यापिका को दिया जाएगा ।

3 शिक्षार्थी गतिविधि :-

- समूहों में विभक्त हो सभी शिक्षार्थी विषय पर चिंतन-मनन कर उसे कलमबद्ध करेंगे ।
- तदुपरांत उस पर अपने-अपने भाव अभिव्यक्त करते हुए अपनी परिचर्चा प्रस्तुत करेंगे ।
- यदि कोई शिक्षार्थी समूह के किसी तर्क से सहमत नहीं होगा तब वह पहले वाले शिक्षार्थी की परिचर्चा समाप्त होने पर उसकी बात का खण्डन करते हुए अपना तर्क प्रस्तुत करेगा ।
- कक्षा में परिचर्चा प्रस्तुति के पश्चात् उसका लिखित साक्ष्य अध्यापिका को दिया जाएगा ।

4. मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

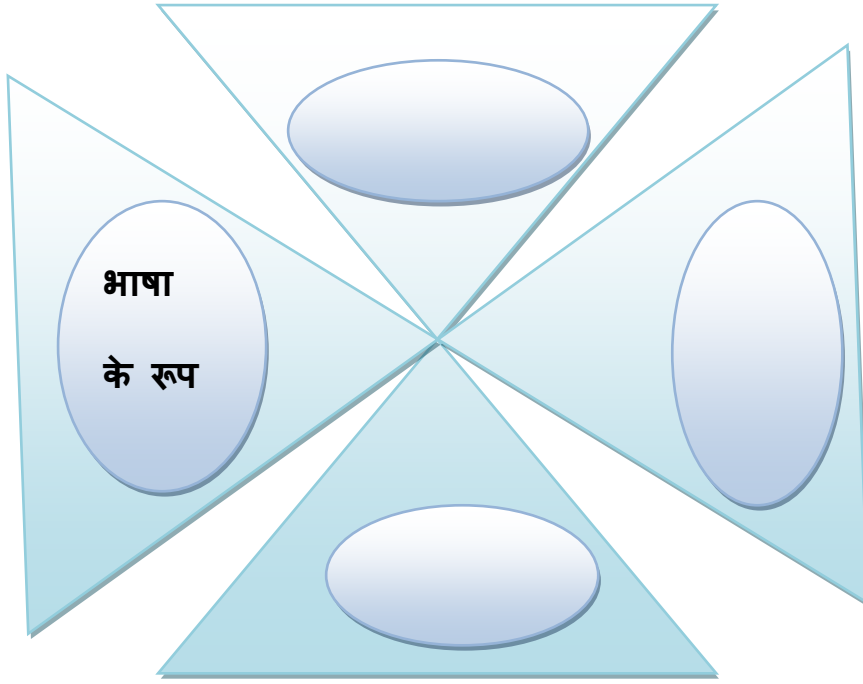
कार्यपत्र

पाठ : कबीर की साखियाँ

विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : परिचर्चा

अनुक्रमांक :



गतिविधि करते हुए अनुभव :

गतिविधि से सीखा :

